HINDI FILE

SIX SIGMA IAS

Dream | Dare | Deliver

DREAM FOR NATION | DARE TO SERVE | DELIVER WITH INTEGRITY

DAILY PRACTICE QUESTIONS

BEST FOR UPSC | UP PCS EXAM

DATE : AUGUST 4, 2026

Comprehensive Coverage | Exam-Focused Analysis | Concept Clarity & Insights | Practice MCQs with Explanation | Daily Updates, Better Results

CONTACT INFO:
+91 92896 33341 | +91 96679 33341

EMAIL ID:
info@sixsigmaias.com

WEB PAGE:
www.sixsigmaias.com

ADDRESS:
C-6, GROUND FLOOR, SECTOR 2,
NEAR SECTOR 15 METRO STATION, NOIDA – 201301, UTTAR PRADESH

दैनिक अभ्यास प्रश्न - स्थैतिक भाग से

प्रश्न 1. उत्तर वैदिक काल के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. **राजसूय और अश्वमेध यज्ञों की बढ़ती प्रमुखता ने न केवल धार्मिक अधिकार को बल्कि जनजातीय सीमाओं से परे राजत्व के क्षेत्रीय विस्तार को भी दर्शाया।**
2. **सभा और समिति ने उत्तर वैदिक काल के दौरान राजा पर उसी प्रकार के राजनीतिक अधिकार का प्रयोग जारी रखा जैसा कि उन्होंने प्रारंभिक वैदिक काल के दौरान किया था।**

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) दोनों

(c) कोई नहीं

(d) उपलब्ध साक्ष्य से निर्धारित नहीं किया जा सकता

उत्तर: (a)

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 सही है।** उत्तर वैदिक काल के दौरान, राजसूय, अश्वमेध और वाजपेय जैसे विस्तृत शाही यज्ञ राजनीतिक वैधता के साधन बन गए। उन्होंने क्षेत्रीय राजतंत्रों के उद्भव और विस्तार क्षेत्रों पर राजाओं के बढ़ते अधिकार का प्रतीक बनाया।
- **कथन 2 गलत है।** हालांकि सभा और समिति जीवित रहे, लेकिन आनुवंशिक राजतंत्र के मजबूत होने के साथ उनका राजनीतिक प्रभाव धीरे-धीरे कम हो गया। निर्णय लेना लोकप्रिय जनजातीय विधानसभाओं के बजाय राजा और उसके सलाहकारों के हाथों में केंद्रित हो गया।
- यूपीएससी अक्सर तथ्यात्मक स्मरण के बजाय अप्रत्यक्ष संस्थागत परिवर्तनों के माध्यम से जनजातीय राजनीति से क्षेत्रीय राजतंत्र में बदलाव का परीक्षण करता है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से कौन सा इस बात की सबसे अच्छी व्याख्या करता है कि फास्फोरस को आम तौर पर मीठे पानी के सुपोषण (eutrophication) के लिए जिम्मेदार मुख्य सीमित पोषक तत्व क्यों माना जाता है?

(a) यह वायुमंडलीय रूप में आसानी से उपलब्ध है और इसलिए झीलों में तेजी से जमा हो जाता है।

(b) नाइट्रोजन के विपरीत, इसका कोई महत्वपूर्ण गैसीय चक्र नहीं है, जिससे जलीय उत्पादकता के लिए बाहरी इनपुट अत्यधिक महत्वपूर्ण हो जाते हैं।

(c) यह मीठे पानी के पारिस्थितिकी तंत्र में जैविक नाइट्रोजन स्थिरीकरण के माध्यम से लगातार भर जाता है।

(d) यह स्वाभाविक रूप से प्रदूषित मीठे पानी के निकायों में स्वाभाविक रूप से मौजूद सबसे प्रचुर मात्रा में पोषक तत्व है।

उत्तर: (b)

स्पष्टीकरण:

- फास्फोरस आमतौर पर मीठे पानी के पारिस्थितिक तंत्र में सीमित पोषक तत्व है क्योंकि इसमें पर्याप्त वायुमंडलीय जलाशय की कमी होती है।
- डिटर्जेंट के उपयोग, सीवेज डिस्चार्ज और कृषि अपवाह जैसी मानवीय गतिविधियां फास्फोरस लोडिंग को काफी बढ़ा देती हैं।
- अतिरिक्त फास्फोरस शैवाल प्रस्फुटन (algal blooms) को उत्तेजित करता है, जिससे अपघटन के दौरान ऑक्सीजन की कमी होती है, जिससे सुपोषण (eutrophication) होता है।
- नाइट्रोजन स्थिरीकरण फास्फोरस की कमी की भरपाई नहीं कर सकता है; इसलिए फास्फोरस मीठे पानी के पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण नियंत्रण पोषक तत्व बना हुआ है।

प्रश्न 3. सार्वजनिक वित्त में घाटे के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. **राजकोषीय घाटे में कुल व्यय और कुल गैर-ऋण प्राप्तियों के अंतर को वित्तपोषित करने के लिए सरकार द्वारा किए गए उधार शामिल हैं।**
2. **राजस्व घाटे का अनिवार्य रूप से अर्थ है कि सरकार अपने वर्तमान उपभोग व्यय के एक हिस्से को वित्तपोषित करने के लिए भी उधार ले रही है।**
3. **राजस्व घाटे के उन्मूलन से स्वचालित रूप से राजकोषीय घाटे का उन्मूलन हो जाता है।**

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 सही है।** राजकोषीय घाटा = कुल व्यय – कुल गैर-ऋण प्राप्तियां। घाटे का वित्तपोषण मुख्य रूप से उधार के माध्यम से किया जाता है।
- **कथन 2 सही है।** राजस्व घाटा यह दर्शाता है कि राजस्व व्यय राजस्व प्राप्तियों से अधिक है, जिसका अर्थ है कि उधार आंशिक रूप से संपत्ति के सृजन के बजाय उपभोग व्यय का वित्तपोषण कर रहे हैं।
- **कथन 3 गलत है।** भले ही राजस्व घाटा शून्य हो जाए, उपलब्ध पूंजी प्राप्तियों से अधिक पूंजीगत व्यय के कारण राजकोषीय घाटा बना रह सकता है।

- यूपीएससी अक्सर सूत्र याद रखने के बजाय वैचारिक संबंधों के माध्यम से विभिन्न राजकोषीय संकेतकों के बीच अंतर करता है।

प्रश्न 4. भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (CAG) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. **CAG भारत की संचित निधि पर भारित सभी व्यय का लेखा-परीक्षण करता है, भले ही ऐसा व्यय संसद के मतदान के अधीन न हो।**
2. **CAG संघ के खातों से संबंधित लेखा-परीक्षण रिपोर्ट सीधे संसद को प्रस्तुत करता है।**
3. **संविधान राष्ट्रपति की सलाह के अधीन, CAG को वह रूप निर्धारित करने के लिए अधिकृत करता है जिसमें संघ और राज्यों दोनों के खाते रखे जाएंगे।**
4. **CAG लोक लेखा समिति के मार्गदर्शक, दार्शनिक और मित्र के रूप में कार्य करता है लेकिन इसका सदस्य नहीं है।**

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (c)

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 सही है।** भारित व्यय (Charged expenditure) संसदीय मतदान के बाहर है लेकिन CAG द्वारा लेखा-परीक्षण के पूर्ण अधीन रहता है।
- **कथन 2 गलत है।** लेखा-परीक्षण रिपोर्ट राष्ट्रपति (संघ के लिए) या राज्यपाल (राज्यों के लिए) को प्रस्तुत की जाती है, जो फिर उन्हें संबंधित विधानसभाओं के समक्ष रखते हैं।
- **कथन 3 सही है।** अनुच्छेद 150 के तहत, संघ और राज्यों के खाते CAG की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित रूप में रखे जाते हैं।
- **कथन 4 सही है।** CAG अपने संवैधानिक सलाहकार के रूप में लोक लेखा समिति की सहायता करता है लेकिन समिति का सदस्य नहीं है।
- यूपीएससी अक्सर केवल संवैधानिक पदों के बजाय संवैधानिक प्रक्रियाओं के आसपास प्रश्न तैयार करता है।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

अभिकथन (A): ध्रुवीय ज्योतियों (Auroras) को मुख्य रूप से भूमध्य रेखा के ऊपर के बजाय उच्च-अक्षांश क्षेत्रों में देखा जाता है।

कारण I: पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र सौर हवा से आवेशित कणों को ध्रुवीय क्षेत्रों की ओर निर्देशित करता है, जहाँ वे वायुमंडलीय गैसों के साथ अंतःक्रिया करते हैं।

कारण II: ध्रुवीय वायुमंडल में भूमध्यरेखीय क्षेत्रों की तुलना में ऑक्सीजन और नाइट्रोजन की सांद्रता काफी अधिक होती है।

निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

(a) अभिकथन सही है, और कारण I और कारण II दोनों सही हैं, और दोनों कारण अभिकथन की व्याख्या करते हैं।

(b) अभिकथन सही है, कारण I सही है, लेकिन कारण II गलत है।

(c) अभिकथन गलत है, लेकिन कारण I और कारण II दोनों सही हैं।

(d) अभिकथन सही है, लेकिन कारण I और कारण II दोनों गलत हैं।

उत्तर: (b)

स्पष्टीकरण:

- **अभिकथन सही है।** ऑरोरा मुख्य रूप से भू-चुंबकीय ध्रुवों के चारों ओर ऑरोरल ओवल के भीतर होते हैं।
- **कारण I सही है।** आवेशित सौर कणों को पृथ्वी की चुंबकीय क्षेत्र रेखाओं द्वारा ध्रुवीय वायुमंडल की ओर निर्देशित किया जाता है, जहाँ ऑक्सीजन और नाइट्रोजन परमाणुओं के साथ टकराव से दृश्य प्रकाश उत्सर्जन उत्पन्न होता है।
- **कारण II गलत है।** ध्रुवों पर ऑक्सीजन और नाइट्रोजन की सांद्रता भूमध्य रेखा की तुलना में काफी अधिक नहीं है। ऑरोरल घटना वायुमंडलीय संरचना अंतर के बजाय भू-चुंबकीय क्षेत्र ज्यामिति पर निर्भर करती है।
- यूपीएससी अक्सर कार्य-कारण (चुंबकीय क्षेत्र-निर्देशित कण वर्षा) और संयोगपूर्ण भौगोलिक सहयोग (ध्रुवीय स्थान) के बीच अंतर का परीक्षण करता है।

SIXSIGMA IAS
Dream | Dare | Deliver

दैनिक अभ्यास प्रश्न – करंट अफेयर्स अनुभाग से

प्रश्न 1. अमेरिका-सउदी असैन्य परमाणु सहयोग पर 123 समझौते के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. **एक "123 समझौता" अपना कानूनी आधार संयुक्त राज्य अमेरिका के परमाणु ऊर्जा अधिनियम की धारा 123 से प्राप्त करता है और आम तौर पर किसी अन्य देश के साथ महत्वपूर्ण नागरिक परमाणु सहयोग के लिए एक पूर्व शर्त है।**

2. **123 समझौते के निष्कर्ष के बाद भी, संयुक्त राज्य अमेरिका में किसी भी अतिरिक्त लाइसेंसिंग या घरेलू अनुमोदन की आवश्यकता के बिना परमाणु प्रौद्योगिकी या सामग्री का हस्तांतरण स्वचालित रूप से होता है।**

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) दोनों

(c) कोई नहीं

(d) उपलब्ध जानकारी से निर्धारित नहीं किया जा सकता

उत्तर: (a)

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 सही है।** अमेरिकी परमाणु ऊर्जा अधिनियम की धारा 123 विदेशी देशों के साथ नागरिक परमाणु सहयोग समझौतों के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करती है।
- **कथन 2 गलत है।** 123 समझौता एक सक्षम ढांचा है। परमाणु सामग्री, उपकरणों या प्रौद्योगिकी के वास्तविक हस्तांतरण के लिए कई अतिरिक्त अनुमोदनों, निर्यात लाइसेंसों और अमेरिकी घरेलू कानूनों, अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा उपायों और अप्रसार प्रतिबद्धताओं के अनुपालन की आवश्यकता होती है।
- यूपीएससी एक सक्षम समझौते और प्रौद्योगिकी के स्वचालित हस्तांतरण के बीच के अंतर का परीक्षण कर सकता है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से कौन सा 'भव्या - रसायन योजना' के प्राथमिक उद्देश्य का सबसे अच्छा वर्णन करता है?

(a) अनुसंधान, नवाचार और विनिर्माण सहायता के माध्यम से महत्वपूर्ण थोक दवाओं, मध्यवर्तियों और विशेष रसायनों के स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देना।

(b) रेडियोधर्मी कचरे के रीसाइक्लिंग के लिए भारत का पहला राष्ट्रीय कार्यक्रम स्थापित करना।

(c) रासायनिक उर्वरक खुदरा विक्रेताओं को प्रत्यक्ष आय सहायता प्रदान करना।

(d) मौजूदा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक ढांचे को बदलना।

उत्तर: (a)

स्पष्टीकरण:

- भव्या - रसायन योजना मूल्य संवर्धन, नवाचार, आत्मनिर्भरता और प्रतिस्पर्धा पर जोर देने के साथ भारत के रासायनिक विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना चाहती है।
- इस पहल का उद्देश्य रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण रासायनिक खंडों में आयात निर्भरता को कम करना है।
- शेष विकल्प योजना के उद्देश्यों के बाहर के क्षेत्रों से संबंधित हैं।

प्रश्न 3. कुशा लॉन्ग-रेन्ज सरफेस-टू-एयर मिसाइल (LR-SAM) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. **कुशा कार्यक्रम का उद्देश्य विमान, क्रूज मिसाइलों और बैलिस्टिक मिसाइल खतरों के कुछ वर्गों के खिलाफ एक स्वदेशी लंबी दूरी, बहु-स्तरीय वायु रक्षा क्षमता स्थापित करना है।**
2. **यह प्रणाली भारत द्वारा संचालित प्रत्येक मौजूदा आयातित लंबी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली को पूरी तरह से बदलने के लिए विकसित की जा रही है।**
3. **कुशा कार्यक्रम घरेलू रक्षा विनिर्माण पहलों के तहत स्वदेशी वायु और मिसाइल रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के भारत के व्यापक उद्देश्य का हिस्सा है।**

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 सही है।** प्रोजेक्ट कुशा का उद्देश्य कई हवाई खतरों के खिलाफ लंबी दूरी की स्वदेशी वायु रक्षा प्रदान करना है।
- **कथन 2 गलत है।** आधिकारिक तौर पर, इस प्रणाली का उद्देश्य स्वदेशी क्षमता को मजबूत करना और भारत की एकीकृत वायु रक्षा वास्तुकला के पूरक के रूप में काम करना है। इसका उद्देश्य स्वचालित रूप से हर आयातित प्रणाली को बदलना नहीं है।
- **कथन 3 सही है।** यह परियोजना स्वदेशी रक्षा उत्पादन और रणनीतिक आत्मनिर्भरता पर भारत के जोर के साथ संरेखित है।
- यूपीएससी अक्सर प्रतिस्थापन, अनुपूरक और स्वदेशीकरण के बीच अंतर करती है।

प्रश्न 4. चांदीपुरा वायरस (CHPV) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. **चांदीपुरा वायरस रैब्डोविरिडे (Rhabdoviridae) परिवार से संबंधित है।**
2. **सैंडफ्लाइज़ (रेत मक्खियों) को चांदीपुरा वायरस के संचरण से जुड़े प्रमुख वैक्टर माना जाता है।**
3. **यह बीमारी मुख्य रूप से बच्चों को प्रभावित करती है और प्रकोप के दौरान अपेक्षाकृत उच्च मामले की घातकता के साथ तीव्र एन्सेफलाइटिस सिंड्रोम में तेजी से बढ़ सकती है।**

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर: (c)

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 सही है।** चांदीपुरा वायरस रैब्डोविरिडे परिवार के तहत जीनस वेसिकुलोवायरस का सदस्य है।
- **कथन 2 सही है।** सैंडफ्लाइज़ को प्रमुख वैक्टर माना जाता है, हालांकि अन्य कीड़ों की भी जांच की गई है।
- **कथन 3 सही है।** प्रकोपों ने मुख्य रूप से बच्चों को प्रभावित किया है और यह तीव्र एन्सेफलाइटिस सिंड्रोम (AES) से जुड़ा हुआ है, जो अक्सर महत्वपूर्ण मृत्यु दर के साथ तेजी से आगे बढ़ता है।
- यूपीएससी वर्गीकरण, वेक्टर जीव विज्ञान और महामारी विज्ञान को एक ही विश्लेषणात्मक प्रश्न में जोड़ सकता है।

प्रश्न 5. राज्यसभा नियम 176 और नियम 267 के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. **नियम 176 सदस्यों को औपचारिक मतदान प्रक्रिया के बिना एक अल्पकालिक चर्चा के माध्यम से तत्काल सार्वजनिक महत्व के मामलों पर चर्चा मांगने में सक्षम बनाता है।**
2. **नियम 267 अध्यक्ष को सार्वजनिक महत्व के मामले पर विचार करने के लिए सदन के सामान्य कामकाज को निलंबित करने का अधिकार देता है।**
3. **नियम 267 के तहत नोटिस की स्वीकृति एक बार आवश्यक संख्या में सदस्यों द्वारा समर्थन किए जाने पर अधिकार का मामला है।**
4. **नियम 176 के तहत चर्चाएं आमतौर पर एक औपचारिक प्रस्ताव को अपनाए बिना समाप्त होती हैं।**

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (c)

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 सही है।** नियम 176 तात्कालिक मामलों पर अल्पकालिक चर्चा का प्रावधान करता है।
- **कथन 2 सही है।** नियम 267 अध्यक्ष के विवेक के अधीन सूचीबद्ध व्यवसाय को निलंबित करने की अनुमति देता है।
- **कथन 3 गलत है।** नियम 267 के तहत प्रवेश पूरी तरह से विवेकाधीन है; सदस्य इसे अधिकार के रूप में दावा नहीं कर सकते।

- **कथन 4 सही है।** नियम 176 की चर्चा आम तौर पर मतदान या औपचारिक प्रस्ताव में समाप्त नहीं होती है।
- यूपीएससी अक्सर संसदीय नियमों के बीच प्रक्रियात्मक अंतर का परीक्षण करता है।

प्रश्न 6. काला सागर के संदर्भ में, निम्नलिखित देशों पर विचार कीजिए:

1. **रोमानिया**
2. **जॉर्जिया**
3. **मोल्दोवा**
4. **बुल्गारिया**

उपर्युक्त में से कितने देशों की तटरेखा काला सागर पर है?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (c)

स्पष्टीकरण:

- **रोमानिया** – काला सागर की सीमा से लगा हुआ है
- **जॉर्जिया** – पूर्वी काला सागर की सीमा से लगा हुआ है
- **मोल्दोवा** – काला सागर तटरेखा नहीं है (इसकी डेन्यूब नदी तक केवल बहुत छोटी पहुंच है)
- **बुल्गारिया** – पश्चिमी काला सागर की सीमा से लगा हुआ है

इस प्रकार, सूचीबद्ध देशों में से तीन काला सागर की सीमा से लगे हैं।

काला सागर के छह तटीय राज्य हैं:

- बुल्गारिया
- रोमानिया
- यूक्रेन
- रूस
- जॉर्जिया
- तुर्की (Türkiye)

दैनिक अभ्यास हेतु विषय आधारित प्रश्न

(जीएस पेपर I – भूगोल)

प्रश्न 1. "हिमालयी नदी प्रणालियाँ केवल भौतिक विशेषताएँ नहीं बल्कि सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन के गतिशील एजेंट हैं। उनकी जल निकासी (ड्रेनेज) विशेषताओं को प्रभावित करने वाले कारकों का परीक्षण कीजिए और बढ़ती मानव-प्रेरित (एंथ्रोपोजेनिक) हस्तक्षेपों से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों का आकलन कीजिए।" (15 अंक | 250 शब्द)

आदर्श उत्तर

हिमालयी नदी प्रणाली दुनिया के सबसे कम उम्र के और सबसे गतिशील नदी नेटवर्क में से एक है। ग्लेशियरों और बर्फ के मैदानों से निकलने वाली ये नदियाँ बारहमासी प्रवाह, भारी मात्रा में तलछट ले जाने की क्षमता और महत्वपूर्ण कटाव ऊर्जा रखती हैं। भारत के भौतिक परिदृश्य को आकार देने के अलावा, वे कृषि, जैव विविधता, संस्कृति और आर्थिक विकास को बनाए रखती हैं।

जल निकासी विशेषताओं को प्रभावित करने वाले कारक

- **युवा वलित पर्वत:** निरंतर टेक्टोनिक उत्थान (tectonic uplift) तेज ढाल और गहरी V-आकार की घाटियाँ पैदा करता है।
- **हिमनद (ग्लेशियर) की उत्पत्ति:** बर्फ पिघलने से सूखे मौसम के दौरान भी बारहमासी डिस्चार्ज सुनिश्चित होता है।
- **भारी मानसूनी वर्षा:** मौसमी डिस्चार्ज और तलछट परिवहन को तीव्र करती है।
- **पूर्ववर्ती जल निकासी (Antecedent Drainage):** सिंधु, सतलुज और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों ने हिमालय के उत्थान के बावजूद अपने पाठ्यक्रमों को बनाए रखा।
- **संरचनात्मक नियंत्रण:** भ्रंश (faults) और जोड़ (joints) नदी की दिशा और घाटी के विकास को प्रभावित करते हैं।

सामाजिक-आर्थिक महत्व

- भारत की लगभग आधी आबादी का भरण-पोषण करती है।
- इंडो-गंगा के मैदानों में सिंचाई को सक्षम बनाती है।
- जलविद्युत उत्पादन को सुगम बनाती है।
- उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी को बनाए रखती है।
- अंतर्देशीय मत्स्य पालन और जैव विविधता का समर्थन करती है।

मानवीय हस्तक्षेप (एंथ्रोपोजेनिक) के कारण चुनौतियाँ

- बड़े बांध प्राकृतिक तलछट प्रवाह को बदलते हैं।
- रेत खनन नदी चैनलों को अस्थिर करता है।
- बाढ़ के मैदानों पर अतिक्रमण आपदा के जोखिम को बढ़ाता है।
- जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियर पीछे हटने से दीर्घकालिक डिस्चार्ज प्रभावित होता है।
- नदी प्रदूषण जलीय पारिस्थितिकी तंत्र को खतरे में डालता है।

आगे की राह

एकीकृत नदी बेसिन प्रबंधन (IRBM), पारिस्थितिक प्रवाह रखरखाव, वैज्ञानिक तलछट प्रबंधन, जलवायु-लचीला बुनियादी ढांचा और सीमा पार सहयोग आवश्यक हैं।

निष्कर्ष

हिमालयी नदियाँ स्थिर जलमार्गों के बजाय जीवित भू-आकृतिक प्रणालियाँ हैं। सतत प्रबंधन के लिए पारिस्थितिक अखंडता और आपदा लचीलेपन के साथ विकासात्मक आकांक्षाओं को संतुलित करने की आवश्यकता है।

(जीएस पेपर II – अंतर्राष्ट्रीय संबंध)

प्रश्न 2. "भारत की विदेश नीति 'गुटनिरपेक्षता' से तेजी से 'बहु-संरेखण' (Multi-Alignment) की ओर स्थानांतरित हो गई है। उभरती हुई वैश्विक भू-राजनीति के संदर्भ में इस संक्रमण का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।" (15 अंक | 250 शब्द)

आदर्श उत्तर

शीत युद्ध के बाद भारत की विदेश नीति में उल्लेखनीय विकास हुआ है। जहाँ गुटनिरपेक्षता ने द्विध्रुवी प्रतिद्वंद्विता के बीच रणनीतिक स्वायत्तता की तलाश की, वहीं आज की बहुध्रुवी दुनिया औपचारिक गठबंधनों के बिना विविध साझेदारियों की मांग करती है।

विकास

- **शीत युद्ध:** गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM)।
- **1991 के बाद:** आर्थिक कूटनीति।
- **वर्तमान:** मुद्दे-आधारित साझेदारियों के साथ बहु-संरेखण।

चालक (Drivers)

- चीन का उदय।
- इंडो-पैसिफिक भू-राजनीति।
- ऊर्जा सुरक्षा।
- आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण।
- प्रौद्योगिकी साझेदारियाँ।

- रक्षा आधुनिकीकरण।

अभिव्यक्तियाँ

- क्वाड में सक्रिय भूमिका।
- ब्रिक्स (BRICS) में भागीदारी।
- एससीओ (SCO) की सदस्यता।
- जी20 नेतृत्व।
- I2U2 सहयोग।
- ग्लोबल साउथ के साथ जुड़ाव।

चुनौतियाँ

- अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता का प्रबंधन।
- रूस-पश्चिम संघर्ष।
- रक्षा में रणनीतिक निर्भरता।
- सिद्धांतों और हितों को संतुलित करना।

आगे की राह

- स्वदेशी क्षमताओं को बढ़ाना।
- रणनीतिक साझेदारियों में विविधता लाना।
- पड़ोस की कूटनीति को मजबूत करना।
- समुद्री सहयोग का विस्तार करना।

निष्कर्ष

भारत का बहु-संरेखण समकालीन भू-राजनीतिक वास्तविकताओं के अनुकूल होते हुए रणनीतिक स्वायत्तता में निरंतरता को दर्शाता है। गुटनिरपेक्षता को त्यागने के बजाय, भारत ने राष्ट्रीय हितों को अधिकतम करने के लिए इसकी पुनर्व्याख्या की है।

(जीएस पेपर III – आंतरिक सुरक्षा)

प्रश्न 3. "उभरती हुई प्रौद्योगिकियों ने भारत के आंतरिक सुरक्षा परिदृश्य को बदल दिया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), ड्रोन और साइबर तकनीकों द्वारा प्रस्तुत अवसरों और चुनौतियों दोनों पर चर्चा कीजिए।" (15 अंक | 250 शब्द)

आदर्श उत्तर

प्रौद्योगिकी सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक फोर्स मल्टीप्लायर और उभरते खतरों का स्रोत दोनों बन गई है। AI, ड्रोन और साइबरस्पेस तेजी से आधुनिक आंतरिक सुरक्षा को परिभाषित करते हैं।

अवसर

- AI के माध्यम से भविष्य की पुलिसिंग (Predictive policing)।
- जांच में चेहरे की पहचान (Facial recognition)।
- सीमाओं पर ड्रोन निगरानी।
- स्मार्ट शहर की निगरानी।
- साइबर खतरा खुफिया जानकारी।
- तेज आपदा प्रतिक्रिया।

चुनौतियाँ

- डीपफेक और गलत सूचना।
- ड्रोन आधारित तस्करी।
- महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर साइबर हमले।
- AI-सक्षम साइबर अपराध।
- गोपनीयता संबंधी चिंताएँ।
- कुशल साइबर सुरक्षा पेशेवरों की कमी।

सरकारी पहल

- भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C)।
- CERT-In।
- NATGRID।
- क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स (CCTNS)।
- डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन फ्रेमवर्क।

आगे की राह

- AI नैतिकता का ढांचा।
- स्वदेशी साइबर सुरक्षा प्रौद्योगिकियाँ।
- मजबूत कानूनी वास्तुकला।
- क्षमता निर्माण।
- सार्वजनिक-निजी भागीदारी।

निष्कर्ष

व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी श्रेष्ठता को संस्थागत तैयारी, कानूनी सुरक्षा और मानवीय क्षमता के साथ मेल खाना चाहिए।

(जीएस पेपर IV – नीतिशास्त्र)

प्रश्न 4. "लोक प्रशासन में सत्यनिष्ठा की परीक्षा तब नहीं होती जब शासन रूटीन में हो, बल्कि तब होती है जब नैतिक मूल्य राजनीतिक या प्रशासनिक दबावों के साथ संघर्ष करते हैं। चर्चा कीजिए।" (15 अंक | 250 शब्द)

आदर्श उत्तर

सत्यनिष्ठा मूल्यों, निर्णयों और कार्यों के बीच निरंतरता का प्रतिनिधित्व करती है। लोक प्रशासक अक्सर ऐसे नैतिक दुविधाओं का सामना करते हैं जहाँ वैधता, नैतिकता और राजनीतिक अपेक्षाएँ भिन्न हो सकती हैं।

नैतिक मुद्दे

- राजनीतिक हस्तक्षेप।
- हितों का टकराव।
- विवेक का दुरुपयोग।
- भ्रष्टाचार।
- निहित स्वार्थों का दबाव।

प्रासंगिक नैतिक मूल्य

- सत्यनिष्ठा (Integrity)।
- निष्पक्षता (Objectivity)।
- उत्तरदायित्व (Accountability)।
- साहस।
- पारदर्शिता।
- करुणा।

उदाहरण

एक जिला मजिस्ट्रेट (DM) को चुनावों से पहले पर्यावरण की दृष्टि से हानिकारक परियोजना को मंजूरी देने का दबाव का सामना करना पड़ता है। हालांकि कानूनी रूप से यह अनुमेय है, लेकिन वैज्ञानिक रिपोर्ट गंभीर पर्यावरणीय परिणामों का संकेत देती हैं।

अधिकारी को निम्नलिखित कदम उठाने चाहिए:

- उचित प्रक्रिया का पालन करना।
- विशेषज्ञ की राय लेना।
- कारणों को पारदर्शी रूप से दर्ज करना।
- गैरकानूनी दबाव का विरोध करना।
- सार्वजनिक परामर्श सुनिश्चित करना।

नैतिक विचारक

- इमैनुएल कांट: परिणामों पर कर्तव्य (Duty over consequences)।
- महात्मा गांधी: साधन और साध्य दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।
- मैक्स वेबर: उत्तरदायित्व की नैतिकता।

निष्कर्ष

नैतिक शासन अंततः वैधता को संवैधानिक मूल्यों के साथ संतुलित करने में सक्षम नैतिक रूप से साहसी लोक सेवकों द्वारा समर्थित संस्थागत सुरक्षा उपायों पर निर्भर करता है।

(समसामयिक घटनाएँ - Current Affairs)

प्रश्न 5. "भारत के धान के खेतों को महत्वपूर्ण मीथेन हॉटस्पॉट के रूप में पहचानने वाले हालिया वैज्ञानिक निष्कर्षों ने टिकाऊ कृषि पर बहस को नए सिरे से शुरू कर दिया है। इसके कारणों, प्रभावों और भारत के लिए उपलब्ध नीतिगत विकल्पों का परीक्षण कीजिए।" (15 अंक | 250 शब्द)

आदर्श उत्तर

मीथेन (CH_4) सबसे शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैसों में से एक है, जिसमें कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में काफी अधिक अल्पकालिक वार्मिंग क्षमता होती है। हाल के वैज्ञानिक आकलन से संकेत मिलता है कि बाढ़ वाले खेतों में अवायवीय अपघटन (anaerobic decomposition) के कारण भारत की सिंचित धान की खेती वैश्विक मीथेन उत्सर्जन में काफी योगदान करती है।

धान की खेती मीथेन का उत्सर्जन क्यों करती है?

- निरंतर बाढ़ से ऑक्सीजन की कमी वाली स्थितियाँ पैदा होती हैं।
- मेथेनोजेनिक रोगाणु कार्बनिक पदार्थों का अपघटन करते हैं।
- उच्च तापमान microbial गतिविधि को तेज करता है।
- अतिरिक्त फसल अवशेष मीथेन उत्पादन को बढ़ाते हैं।

प्रभाव

पर्यावरणीय

- जलवायु परिवर्तन को तेज करता है।
- मानसून की परिवर्तनशीलता को प्रभावित करता है।
- चरम मौसम की आवृत्ति बढ़ाता है।

आर्थिक

- कृषि उत्पादकता को खतरा पैदा करता है।
- जलवायु संबंधी व्यापार प्रतिबद्धताओं को प्रभावित कर सकता है।

- अनुकूलन लागत बढ़ाता है।

सामाजिक

- खाद्य सुरक्षा को प्रभावित करता है।
- आजीविका की संवेदनशीलता को बढ़ाता है।
- छोटे किसानों पर अधिक बोझ।

नीतिगत विकल्प

- वैकल्पिक गीला करना और सुखाना (AWD - Alternate Wetting and Drying)।
- सीधी बुवाई वाला धान (DSR)।
- बेहतर पोषक तत्व प्रबंधन।
- मीथेन-निगरानी प्रौद्योगिकियाँ।
- जलवायु-अनुकूल कृषि (Climate-smart agriculture)।
- कार्बन-कुशल खेती को प्रोत्साहन।
- सटीक सिंचाई का विस्तार।

चुनौतियाँ

- किसानों की जागरूकता।
- प्रारंभिक निवेश लागत।
- जल प्रबंधन बुनियादी ढांचा।
- खेती की प्रथाओं में क्षेत्रीय भिन्नता।

निष्कर्ष

भारत को वैज्ञानिक रूप से मान्य, किसान-अनुकूल और आर्थिक रूप से व्यवहार्य कम उत्सर्जन वाली धान की खेती की तकनीकों को बढ़ावा देकर जलवायु प्रतिबद्धताओं के साथ खाद्य सुरक्षा में सामंजस्य बिठाना चाहिए। सतत कृषि परिवर्तन को उत्पादकता बनाए रखते हुए मीथेन उत्सर्जन को कम करने के लिए तकनीकी नवाचार, संस्थागत समर्थन और व्यवहार परिवर्तन को संयोजित करना चाहिए।

SIXSIGMA IAS
Dream | Dare | Deliver